Chapter 4

माँग एवं पूर्ती की अवधारणा

Manoj Kumar, Department of Economics
Shri Jain Terapanthi College, Ranawas, Pali

1. **माँग की अवधारणा** (Concept of Demand)

माँग से तात्पर्य उपभोक्ताओं की उस इच्छा से है, जिसमें वे किसी वस्तु को खरीदने की शक्ति और इच्छा दोनों रखते हैं।

परिभाषा :–

''किसी वस्तु की माँग वह मात्रा है जिसे उपभोक्ता किसी निश्चित समय में, निश्चित मूल्य पर खरीदना चाहता है और खरीदने में सक्षम भी है।''

2. **माँग के प्रकार (Types of Demand)**

व्यक्तिगत माँग (Individual Demand): किसी एक उपभोक्ता द्वारा किसी वस्तु की माँग।
बाजार माँग (Market Demand): सभी उपभोक्ताओं की कुल माँग।
आवश्यक माँग (Necessity Demand): जैसे भोजन, कपड़े आदि।
विलासी माँग (Lugury Demand): जैसे कार, ए. सी. आदि।
प्रतिस्थापन माँग (Substitute Demand): जैसे चाय की जगह कॉफी।
पूरक माँग (Complementary Demand): जैसे कार और पेट्रोल।

3. **माँग में परिवर्तन (Change in Demand)**

माँग में दो प्रकार के परिवर्तन होते हैं:
माँग में विस्तार या संकुचन (Eutension or Contraction): केवल मूल्य में परिवर्तन के कारण माँग में बदलाव।
मूल्य घटे ⇒ माँग बढ़े (विस्तार)
मूल्य बढ़े ⇒ माँग घटे (संकुचन)

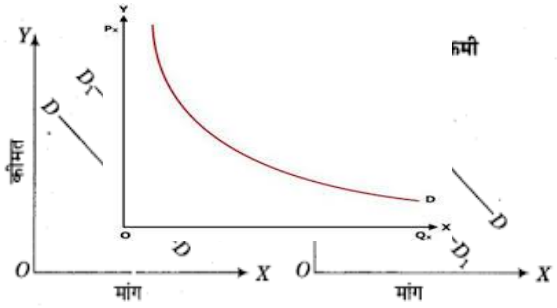

माँग में वृद्धि या कमी (Increase or Decrease):– मूल्य समान रहते हुए अन्य कारणों से माँग में बदलाव।
आय, रुचि, जनसंख्या आदि में बदलाव से माँग में वृद्धि या कमी हो सकती है।

4. **माँग को प्रभावित करने वाले कारक (Factors Affecting Demand)**

वस्तु का मूल्य

ISBN: 978-93-343-6940-3

उपभोक्ता की आय
उपभोक्ता की पसंद–नापसंद
प्रतिस्थापन वस्तुओं के मूल्य
पूरक वस्तुओं के मूल्य
जनसंख्या में वृद्धि
भविष्य की उम्मीदें

मांग का नियम :–
जब किसी वस्तु या सेवा की किमत में कमी होती है तो उस वस्तु की मांग में वृद्धि होती है और यदि कीमत में वृद्धि होती है तो उस वस्तु की मांग में कमी होगी उसे ही हम मांग का नियम कहते है।

5. **आपूर्ति की अवधारणा (Concept of Supply)**

आपूर्ति से तात्पर्य है किसी वस्तु की वह मात्रा जिसे उत्पादक किसी निश्चित मूल्य पर, निश्चित समय में बेचने के लिए तैयार होता है।
परिभाषा :– ''किसी वस्तु की आपूर्ति वह मात्रा है जिसे विक्रेता किसी विशेष मूल्य पर, विशेष समय में, बाजार में बेचने को तैयार होता है।''

6. **बाजार संतुलन (Market Equilibrium)**

जब किसी वस्तु की माँग की मात्रा = आपूर्ति की मात्रा, तब बाजार संतुलन होता है।
इस बिंदु पर न तो अधिक माँग होती है, न ही अधिक आपूर्ति।
संतुलन मूल्य (Equilibrium Price) और संतुलन मात्रा (Equilibrium Quantity) निर्धारित होती है।

7. **अर्थव्यवस्था में मूल्य तंत्र की भूमिका (Role of Price Mechanism in Economy)**

मूल्य तंत्र वह प्रक्रिया है जिसके द्वारा बाजार में माँग और आपूर्ति के आधार पर संसाधनों का आवंटन होता है।
भूमिकाएँ:–
उपभोक्ताओं और उत्पादकों को संकेत देना
संसाधनों का कुशल उपयोग
उत्पादन और खपत का समन्वय
वस्तुओं और सेवाओं का वितरण

8. **सरल माँग की लोच की अवधारणा (Concept of Price Elasticity of Demand)**

माँग की लोच से तात्पर्य है, ''मूल्य में परिवर्तन के कारण माँग में कितनी मात्रा में परिवर्तन होता है।''

प्रकार :–

1. लोचदार माँग (>1): माँग में बड़ा परिवर्तन
2. अलोचदार माँग (<1): माँग में थोड़ा परिवर्तन
3. एकात्मक लोच (=1): माँग और मूल्य में समान प्रतिशत परिवर्तन
4. पूर्ण लोच (∞): मूल्य में थोड़ा सा भी परिवर्तन ⇒ माँग अनंत
5. शून्य लोच (0): मूल्य कितना भी बदले ⇒ माँग नहीं बदले

आपूर्ति की अवधारणा (Concept of Supply)

आपूर्ति (Supply) एक आर्थिक अवधारणा है जो किसी उत्पादक या विक्रेता द्वारा किसी निश्चित मूल्य पर और किसी निश्चित समय में बाजार में उपलब्ध कराई गई वस्तु या सेवा की मात्रा को दर्शाती है।

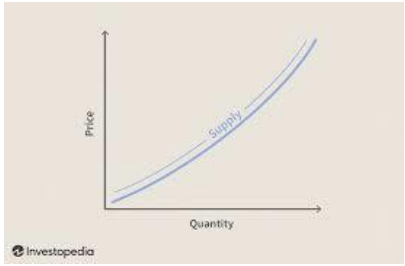

सरल शब्दों में :–
जब कोई उत्पादक किसी वस्तु को बाजार में बेचने के लिए तैयार होता है, और वह कितनी

ISBN: 978-93-343-6940-3

मात्रा में उस वस्तु को बेचने को तैयार है कृ यह ''आपूर्ति'' कहलाती है।

मुख्य बिंदु :–

मूल्य पर निर्भर :–

वस्तु की आपूर्ति सीधे तौर पर उसके बाजार मूल्य पर निर्भर करती है। सामान्यतः मूल्य बढ़ने पर आपूर्ति भी बढ़ती है और मूल्य घटने पर आपूर्ति घटती है।

समय का महत्व :–

आपूर्ति को हमेशा एक निश्चित समय अवधि के संदर्भ में मापा जाता है, जैसे ''एक महीने में'', ''एक सप्ताह में'', आदि।

अन्य कारक :–

केवल मूल्य ही नहीं, बल्कि अन्य कारक जैसे उत्पादन की लागत, तकनीकी प्रगति, सरकारी नीतियाँ, प्राकृतिक स्थितियाँ आदि भी आपूर्ति को प्रभावित करते हैं।

आपूर्ति की परिभाषा (Definition by Economists) :–

1. प्रो. मेयर्स के अनुसारः "Supply refers to the quantity of a commodity which is offered for sale at a given price in a given market at a given time"

("आपूर्ति उस वस्तु की मात्रा है जिसे कोई विक्रेता किसी निश्चित मूल्य पर, निश्चित बाजार में, निश्चित समय के लिए बेचने को तैयार रहता है।")

आपूर्ति की विशेषताएँ :–

यह मूल्य पर आधारित होती है।

यह एक इच्छाशक्ति (willingness) है, न कि केवल उपलब्धता।

यह एक निश्चित समय और स्थान पर आधारित होती है।

ISBN: 978-93-343-6940-3